कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,

खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
बन्धौआ रोड फौजी कॉलोनी मसेनी निकट विकास मैरिज लॉन,
फतेहगढ़ फर्रूखाबाद–209601
Email ID- eeupjnrfarrukhabad@gmail.com

पत्रांक 1879 / कार्या-4 / 120 दिनांक 17-6-26

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषयः–**ई–पेपर अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित खबर "गलियां खोदकर भूल गये भरना, बारिश में कीचड़ से जूझेंगे ग्रामीण" के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक दिनांक 17.06.2026 को ई–पेपर अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित खबर **"गलियां खोदकर भूल गये भरना, बारिश में कीचड़ से जूझेंगे ग्रामीण"** के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि वर्तमान में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद फर्रूखाबाद में फेज–02 के अन्तर्गत 227 नग एवं फेज–03 के अन्तर्गत 151 नग कुल 378 नग पेयजल योजनाओं पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। वर्तमान में फेज–02 के अन्तर्गत 227 नग उच्च जलाशय के सापेक्ष 69 नग उच्च जलाशय, 1819 मी0 वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1806 मी0 वितरण प्रणाली, 117748 नग गृहसंयोजन के सापेक्ष 111856 नग गृहसंयोजन दिये गये है। इसी प्रकार फेज–03 के अन्तर्गत 151 नग उच्च जलाशय के सापेक्ष 147 नग, 1722 मी0 वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1702 मी0, वितरण प्रणाली, 82452 नग गृहसंयोजन के सापेक्ष 80822 नग गृहसंयोजन किये जा चुके है। ग्राम त्यौरखास में उच्च जलाशय 25 प्रतिशत पूर्ण, 8699 मी0 प्रस्तावित वितरण प्रणाली के सापेक्ष 8372 मी0 वितरण प्रणाली पूर्ण, 661 नग प्रस्तावित गृहसंयोजन के सापेक्ष 207 नग गृहसंयोजन दिये गये है तथा पेयजल योजना के 01 मजरे में जलापूर्ति की जा रही है एवं ग्रामीणों द्वारा मेन लाइन बिछाने हेतु बाधा उत्पन्न की जा रही है जिसके कारण ग्राम में जलापूर्ति बाधित है जिस हेतु ग्राम प्रधान से वार्ता की जा रही है। ग्राम में उत्पन्न बाधा का जल्द से जल्द निराकरण कर समस्त ग्राम में पेयजल आपूर्ति सुचारू कर दी जायेगी। साथ ही ग्राम चौंसेपुर में प्रस्तावित उच्च जलाशय का कार्य ग्राउन्ड लेवल तक पूर्ण, 4030 मी0 प्रस्तावित वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1200 मी0 वितरण प्रणाली बिछाई जा चुकी है।

दिनांक 14.06.2026 को मा0 प्रभारी मंत्री जी, श्री जयवीर सिहं जी द्वारा पेयजल योजनाओ पर प्रगति बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया था तथा जिन ग्रामो की गलियों/मार्गो का रोडरेस्टोरेशन का कार्य अवशेष है, उनको त्वरित गति से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया था। मा0 मंत्री जी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में खण्ड कार्यालय के पत्रांक–1777/रेट्रो0/35 दिनांक 15.06.2026 के द्वारा कार्यदायी फर्म मै0 जी0वी0पी0आर0 को अवशेष रोडरेस्टोरेशन, समस्त पेयजल योजनाओं में नियमित क्लोरीनयुक्त जलापूर्ति, अवशेष गृहसंयोजन इत्यादि कार्यो को 15 दिवसों में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आख्या सादर सूचनार्थ प्रेषित।

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार ।

भवदीय

(सजन कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक यथोपरि'–

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. मुख्य अभियन्ता (का0क्षे0) उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), कानपुर।
2. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), कानपुर।

अधिशासी अभियन्ता

Scanned with OKEN Scanner

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,

खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
बन्धौआ रोड फौजी कॉलोनी मसेनी निकट विकास मैरिज लॉन,
फतेहगढ़ फर्रूखाबाद–209601
Email ID- eeupjnrfarrukhabad@gmail.com

पत्रांक 1879 / कार्या-9 / 120 दिनांक 17.6.26

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण),
उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण),
लखनऊ।

विषयः–**ई–पेपर अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित खबर "गलियां खोदकर भूल गये भरना, बारिश में कीचड़ से जूझेंगे ग्रामीण" के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक दिनांक 17.06.2026 को ई–पेपर अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित खबर **"गलियां खोदकर भूल गये भरना, बारिश में कीचड़ से जूझेंगे ग्रामीण"** के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि वर्तमान में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद फर्रूखाबाद में फेज–02 के अन्तर्गत 227 नग एवं फेज–03 के अन्तर्गत 151 नग कुल 378 नग पेयजल योजनाओं पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। वर्तमान में फेज–02 के अन्तर्गत 227 नग उच्च जलाशय के सापेक्ष 69 नग उच्च जलाशय, 1819 मी0 वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1806 मी0 वितरण प्रणाली, 117748 नग गृहसंयोजन के सापेक्ष 111856 नग गृहसंयोजन दिये गये है। इसी प्रकार फेज–03 के अन्तर्गत 151 नग उच्च जलाशय के सापेक्ष 147 नग, 1722 मी0 वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1702 मी0, वितरण प्रणाली, 82452 नग गृहसंयोजन के सापेक्ष 80822 नग गृहसंयोजन किये जा चुके है। ग्राम त्यौरखास में उच्च जलाशय 25 प्रतिशत पूर्ण, 8699 मी0 प्रस्तावित वितरण प्रणाली के सापेक्ष 8372 मी0 वितरण प्रणाली पूर्ण, 661 नग प्रस्तावित गृहसंयोजन के सापेक्ष 207 नग गृहसंयोजन दिये गये है तथा पेयजल योजना के 01 मजरे में जलापूर्ति की जा रही है एवं ग्रामीणों द्वारा मेन लाइन बिछाने हेतु बाधा उत्पन्न की जा रही है जिसके कारण ग्राम में जलापूर्ति बाधित है जिस हेतु ग्राम प्रधान से वार्ता की जा रही है। ग्राम में उत्पन्न बाधा का जल्द से जल्द निराकरण कर समस्त ग्राम में पेयजल आपूर्ति सुचारू कर दी जायेगी। साथ ही ग्राम चौंसेपुर में प्रस्तावित उच्च जलाशय का कार्य ग्राउन्ड लेवल तक पूर्ण, 4030 मी0 प्रस्तावित वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1200 मी0 वितरण प्रणाली बिछाई जा चुकी है।

दिनांक 14.06.2026 को मा0 प्रभारी मंत्री जी, श्री जयवीर सिहं जी द्वारा पेयजल योजनाओ पर प्रगति बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया था तथा जिन ग्रामो की गलियों/मार्गो का रोडरेस्टोरेशन का कार्य अवशेष है, उनको त्वरित गति से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया था। मा0 मंत्री जी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में खण्ड कार्यालय के पत्रांक–1777/रेट्रो0/35 दिनांक 15.06.2026 के द्वारा कार्यदायी फर्म मै0 जी0वी0पी0आर0 को अवशेष रोडरेस्टोरेशन, समस्त पेयजल योजनाओं में नियमित क्लोरीनयुक्त जलापूर्ति, अवशेष गृहसंयोजन इत्यादि कार्यो को 15 दिवसों में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आख्या सादर सूचनार्थ प्रेषित।

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार ।

भवदीय

(सजन कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक यथोपरि'–

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. मुख्य अभियन्ता (का0क्षे0) उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), कानपुर।
2. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), कानपुर।

अधिशासी अभियन्ता

Scanned with OKEN Scanner

Farrukhabad News: गलियां खोदकर भूल गए भरना, बारिश में कीचड़ से जूझेंगे ग्रामीण

कानपुर ब्यूरो

Updated Wed 17 Jun 2026 12:39 AM IST

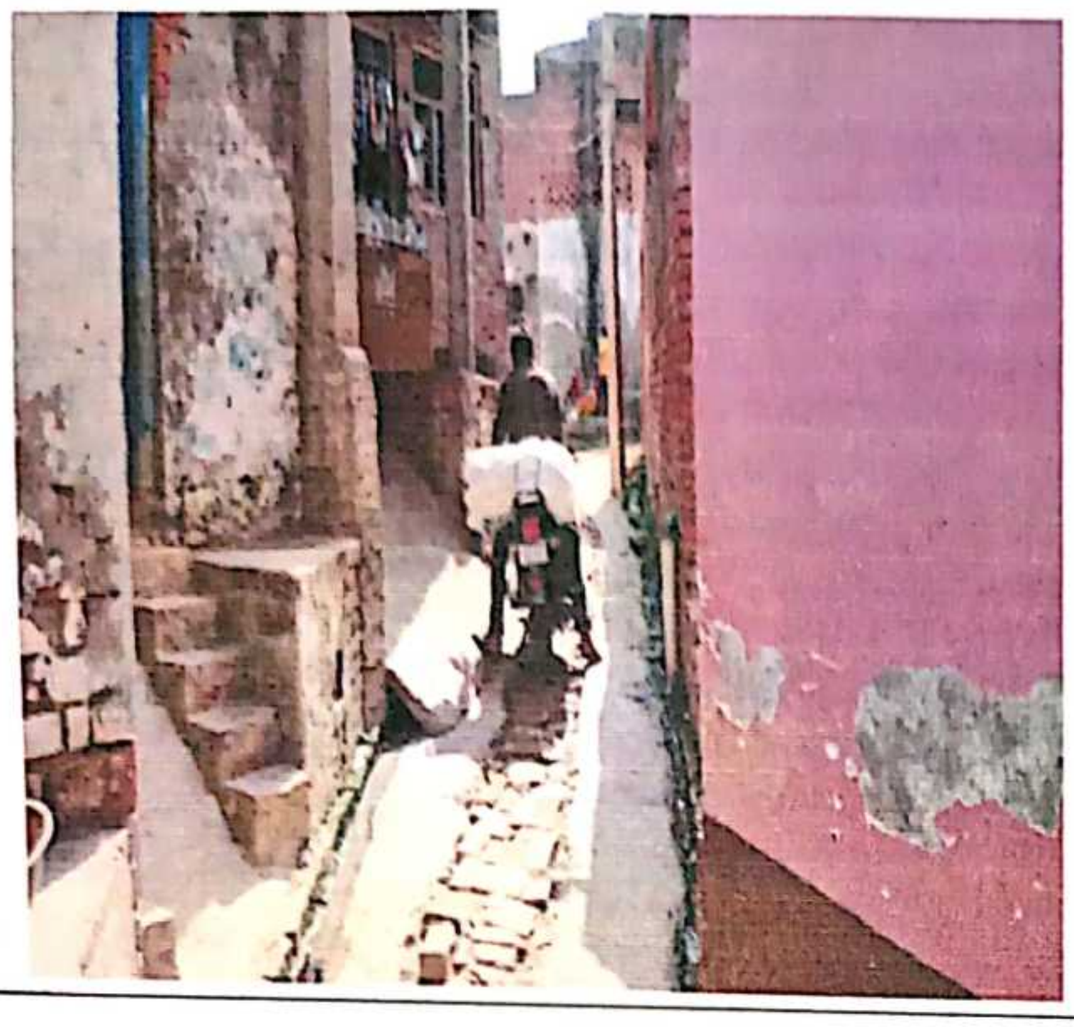

फर्रुखाबाद। हर घर जल का सपना दिखाकर गांवों की सड़कों और गलियों को खोद दिया गया लेकिन तीन साल बाद भी न तो टोंटियों में पानी पहुंचा और न ही टूटी गलियों की मरम्मत हो सकी। अब बरसात में खुदी सड़कें, खुले गड्ढे तथा अधूरे कार्य ग्रामीणों के लिए नई मुसीबत बनकर खड़े हैं। जिले के कई गांवों में जल जीवन मिशन के कार्यों की जमीनी हकीकत सरकारी दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है। रविवार को जिले के प्रभारी मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने भी समीक्षा बैठक में अधूरे कार्यों पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों को फटकार लगाई थी लेकिन गांवों की तस्वीर अब भी नहीं बदली है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर पहले सड़कें तोड़ दी गईं लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया गया। अब बरसात में कीचड़, जलभराव और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। विडंबना यह है कि जिनके लिए सड़कें खोदी गईं, उन घरों तक अभी तक पानी नहीं पहुंचा।गांव त्यौरखास में पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई गली। संवाद कंपिल के गांव त्यौरखास में अब भी करीब 10 गलियां खुदी पड़ी हैं। इन गलियों को करीब डेढ़ वर्ष पूर्व पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदा गया था। यहां न तो पानी की टंकी तैयार हो सकी और न ही जलापूर्ति शुरू हुई। ग्राम सचिव शिवम तिवारी ने बताया कि जो सड़कें खोदी गई हैं, उनकी निर्माण लागत की जानकारी उपलब्ध नहीं है। नगला खोटा गांव में पाइप लाइन पड़ने के बाद हुई बरसात के बाद भरा कीचड़। संवाद नवाबगंज के जरहरी-खोटा नगला मार्ग की स्थिति भी दयनीय है। यहां भी करीब दो वर्ष पूर्व मुख्य मार्ग और गलियों को खोद दिया गया। मरम्मत के नाम पर पाइप लाइन के ऊपर मिट्टी डाल दी गई। करीब 18-20 लाख की लागत से बनाई गई ये गलियां अब चलने के लायक नहीं हैं।गांव चौसेपुर में खोदी गई सड़क। संवाद मोहम्मदाबाद के चौसेपुर में तीन वर्ष से अधिक समय से गलियां उखड़ी पड़ी हैं। यहां अब तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी। प्रधान आदेश कुमार ने बताया कि पूरे गांव की सड़कें खराब हैं। 15 से 20 लाख रुपये की सार्वजनिक संपत्ति बर्बाद हो चुकी है।राजू लाला। त्यौरखास के राजू लाला ने बताया कि बरसात में ये गलियां कीचड़ में बदल जाएंगी। हादसों का खतरा बढ़ेगा और लोगों का निकलना मुश्किल हो जाएगा।अरविंद यादव नगला खोटा के पूर्व प्रधान अरविंद यादव ने कहा कि घरों के बाहर पाइप लाइन छोड़ दी गई, इससे पानी नालियों में बह रहा है। कई बार शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।क्या कहते हैं जिम्मेदार अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) सजन कुमार ने बताया कि जिन गांवों में पाइप लाइन बिछाने के बाद मरम्मत कार्य शेष है, वहां कार्यदायी संस्था को जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। बरसात से पहले प्राथमिकता के आधार पर सड़कों और गलियों की मरम्मत कराने का प्रयास किया जा रहा है।

Scanned with OKEN Scanner